RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 11 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 153 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

'बालासाहेब की शिवसेना'

होगा एकनाथ शिंदे की पार्टी का नाम, EC से उद्धव ठाकरे के लिए अच्छी खबर...

मुंबई : निर्वाचन आयोग ने सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को नया नाम आवंटित कर दिया। निर्वाचन आयोग ने शिंदे के लिए पार्टी के नाम के रूप में 'बालसाहेबांची शिवसेना' नाम आवंटित किया है। 'बालसाहेबांची शिवसेना' मराठी नाम है जिसका हिंदी अर्थ 'बालासाहेब की शिवसेना' है। वहीं उद्धव ठाकरे के गुट का नाम 'शिवसेना - उद्धव बालासाहेब ठाकरे' होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा 'शिवसेना - उद्धव बालासाहेब ठाकरे' नाम आवंटित किए जाने के बाद उद्धव ठाकरे गुट के नेता भास्कर जाधव ने कहा, ''हम बहुत खुश हैं, इसे बड़ी जीत मानते हैं।''

इसके साथ ही उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को निर्वाचन आयोग से एक अच्छी खबर मिली। उद्धव गुट को चुनाव आयोग से 'मशाल' चुनाव चिन्ह आवंटित हुआ है। उद्धव गुट ने चुनाव आयोग को जो तीन चिह्न सौंपे थे उनमें से एक चुनाव चिह्न 'मशाल' भी था। लेकिन शिंदे गुट को कोई चुनाव चिह्न आवंटित नहीं हुआ है। क्योंकि निर्वाचन आयोग ने धार्मिक अर्थों का हवाला देते हुए शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों के लिए त्रिशूल और गदा को चुनाव चिन्ह के रूप में आवंटित करने के सुझाव को खारिज कर दिया। इसके साथ ही आयोग ने शिंदे गुट को नए चुनाव चिह्न का चयन करने के लिए कहा है। उद्धव गुट को चुनाव चिह्न इसलिए आवंटित कर दिया गया क्योंकि उन्होंने जो चिह्न सुझाए थे उनमें से एक चिह्न 'मशाल' भी था जिसका आयोग के मुताबिक 'कोई धार्मिक अर्थ' नहीं है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे नीत खेमों ने निर्वाचन आयोग को अपनी पसंद के तीन-तीन वैकल्पिक चिह्न और नाम औपचारिक रूप से सौंपे थे। आयोग ने शनिवार रात पार्टी का 'धनुष-बाण' चिह्न पर रोक लगा दी थी और दोनों खेमों को वैकल्पिक चिह्न और पार्टी नाम का सुझाव देने को कहा था। गौरतलब है कि शनिवार को, आयोग ने शिवसेना के दोनों खेमों को तीन नवंबर को अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से प्रतिबंधित कर दिया था। पार्टी पर नियंत्रण के लिए प्रतिद्वंद्वी खेमों के दावे को लेकर एक अंतरिम आदेश में आयोग ने उन दोनों से सोमवार तक अपनी पसंद के तीन अलग-अलग नाम और चिह्न बताने को कहा था।

महिला से की छेड़छाड़ के आरोप में जिम का प्रशिक्षक गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के पश्चिमी उपनगर मलाड के एक जिम में महिला से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में 35 वर्षीय फिटनेस प्रशिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। चारकोप थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार किया था। वह बीते चार साल से जिम में काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि 25 वर्षीय महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि आरोपी ने उन्हें प्रशिक्षण देने के बहाने आपत्तिजनक तरीके से छुआ और ऐसा कई बार हुआ था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व प्रखर समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव जी का निधन

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। उन्होंने सोमवार सुबह 8.16 पर अंतिम सांस ली। वह 82 साल के थे। मुलायम सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वह वेंटिलेटर पर थे। पिछले रविवार से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई। पहलवान और शिक्षक रहे मुलायम ने लंबी सियासी पारी खेली। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे। केंद्र में रक्षा मंत्री रहे। उन्हें बेहद साहसिक सियासी फैसलों के लिए भी जाना जाता है। आपको बता दें कि 22 अगस्त को मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया था। मुलायम सिंह को एक अक्तूबर की रात को आइसीयू में शिफ्ट किया गया था। मुलायम सिंह यादव का मेदांता के एक डॉक्टरों का पैनल इलाज कर रहा था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और परिवार के अन्य सदस्य उनके साथ ही हैं। दिल्ली से उनका शव लखनऊ लाने की तैयारी है। यहां से फिर इटावा ले जाया जाएगा। मंगलवार दोपहर तीन बजे मुलायम सिंह यादव का सैफई में अंतिम संस्कार किया जाएगा।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह यादव के निधन की जानकारी दी।

नवी मुंबई के पास उरन में केमिकल प्लांट में धमाका, 2 की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

मुंबईः महाराष्ट्र के नवी मुंबई इलाके में स्थित पावर जेनरेशन कंपनी के ऊर्जा स्टेशन में हुए ब्लास्ट में दो लोगों की मौत हो गई. जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई से करीब 48 किलोमीटर दूर उरन में स्थित गैस टर्बाइन पावर स्टेशन के ब्वायलर के पंप में यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद उसमें शाम सवा चार बजे करीब आग लग गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक कनीय अभियंता सहित चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए. जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया. अधिकारी ने बताया कि दो को मृत घोषित कर दिया गया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सकता है. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गए. दमकल की टीम आग और गैस पर काबू पाने की कोशिश शुरू की.

बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही महाराष्ट्र के पालघर के एक फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ था. वसई में मौजूद एक फैक्ट्री में ब्लास्ट होने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी और 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे. ये ब्लास्ट का हादसा फैक्ट्री में हाइड्रोजन सिलेंडर फटने से हुआ था. ब्लास्ट के वक्त फैक्ट्री में कई स्टाफ मौजूद थे.

मर्डर, जबरन वसूली, अहरण सहित कई अपराध में लिप्त हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने अपहरण और जबरन वसूली सहित सात बड़े अपराधों के मामले के हिस्ट्रीशीटर अपराधी को गिरफ्तार किया. इस आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट लगा किया गया था. इस आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त बिपिन कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि 14 सितंबर 2019 को नेरुल पुलिस थाने के बॉर्डर से लापता होने के कुछ दिनों बाद सचिन गैरेज (32) का जला हुआ शरीर मिला था. इसके बाद इस मामले की जांच शुरू हुई थी.

पुलिस अधिकारी ने कहा कि गरजे का गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर के साथ पैसों का विवाद था. आरोपी ने गरजे को सीवुड्स के एक मॉल के पास से अगवा किया फिर उसे चिरनेर हिल ले गया. जहां पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी और फिर उसके शरीर को जला दिया. इस मामले में पुलिस ने उस समय चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था और पांच वांछित थे. पुलिस आयुक्त ने कहा कि कथित तौर पर रंगदारी का रैकेट चलाने के मामले में इस मामले में और लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने यह भी पाया कि पनवेल निवासी अशोक घरत की हत्या के लिए गिरोह कथित रूप से जिम्मेदार था. जिससे उन्होंने 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी. घरत का इस साल 27 जनवरी को नवी मुंबई के मंचर से अपहरण किया गया था और कुछ समय बाद गिरोह ने ठाणे जिले के तानसा इलाके में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी और उसके शव को जला दिया था.

संपादकीय / लेख

कीव पर हमला

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध का तेज होना पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक और दुखद है। सूचना है कि रूस ने करीब 75 मिसाइल दागकर यूक्रेन को पछाड़ने की कोशिश की है। रूस ने सीधे राजधानी कीव को ही निशाना बनाया है। गत दिनों क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले पुल पर हुए विस्फोट के लिए रूस ने कीव को जिम्मेदार माना है और जिसका बदला उसने दनादन मिसाइल दागकर लिया है। कीव से आ रही तस्वीरें लोमहर्षक हैं। जगह-जगह ध्वस्त इमारतों और आगजनी से पूरा कीव शहर अस्त-व्यस्त हो गया है। कीव के अलावा भी यूक्रेन के अन्य शहरों पर मिसाइल बरसे हैं। लोगों से कह दिया गया है कि वे घर से बाहर न निकलें। आने वाले दिनों में रूसी हमला और खतरनाक होने की आशंका है। रूसी हमलों ने अगर यूक्रेन के बुनियादी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है, तो मकसद आसानी से समझा जा सकता है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कीव पर रूस ने इससे पहले 26 जून को हमला किया था। क्रीमिया और रूस को जोड़ने वाले पुल पर अगर विस्फोट न हुआ होता, तो शायद रूसी मिसाइलें कीव तक न पहुंचतीं।

इस हमले के बाद बहस भी तेज हो जाएगी कि आखिर यूक्रेन की ओर से युद्धक हमले क्यों किए जा रहे हैं? अगर मंशा युद्ध रोकने की है, तो यूक्रेन को ज्यादा संयम बरतना चाहिए, तभी दुनिया रूस को युद्ध रोकने की नसीहत दे पाएगी। रूस को युद्ध रोकने की नसीहत अनेक देश दे चुके हैं और भारतीय प्रधानमंत्री ने भी रूसी राष्ट्रपति को युद्ध रोकने की सलाह देते हुए कहा था कि यह समय युद्ध का नहीं है। गौर करने की बात है कि यूक्रेन की सेना या राष्ट्रपति ने रूसी पुल पर हुए विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, इससे यह संकेत गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच कोई तीसरा पक्ष भी है, जो युद्ध भड़काना चाहता है। ऐसे विश्व-विरोधी तत्वों से सावधान रहना चाहिए। रूस ने तो पुल पर हुए विस्फोट को आतंकवादी कृत्य करार दिया है और हमें अच्छी तरह पता है कि रूस आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है। पुल पर हुए विस्फोट का अगर यूक्रेन में जश्न मनाया गया था, तो यह गंभीर व मॉस्को को चिढ़ाने वाली बात है।

हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि युद्ध के खिलाफ रूस के लोगों ने प्रदर्शन किए हैं और वहां बड़ी संख्या में लोग जेलों में बंद हैं। क्या यूक्रेन में भी लोगों ने युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं? परस्पर मिलकर चलने की नसीहत जितनी रूस के लिए जायज है, उतनी ही यूक्रेन के लिए भी। पश्चिमी शक्तियों के बहकावे में आकर ही यूक्रेन आज लहूलुहान है, यह बात खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बोल चुके हैं। जेलेंस्की अगर रूस में घुसकर हमला करने के पक्ष में नहीं हैं,

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को पार्टी की वेबसाइट पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का विवरण मांगना निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका को खारिज कि

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग करने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया कि सभी राजनीतिक दल उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों के बारे में विवरण और उनके चयन के कारण को अपनी आधिकारिक वेबसाइटों के होम पेज पर प्रकाशित करें।

न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने याचिकाकर्ता से अपनी याचिका के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने को कहा। यह घूमने की जगह नहीं है। हमें लगता है कि यह याचिका गलत है। इस अदालत के पिछले फैसले को लागू करने की मांग की जा रही है। याचिकाकर्ता को चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाना है। याचिका खारिज की जाती है,''पीठ ने कहा। वेबसाइट के अलावा, अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है कि प्रत्येक राजनेता इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया में विवरण प्रकाशित करे और अवमानना का मामला दर्ज करे। पार्टी के अध्यक्ष जो ऐसे निदेर्शों का उल्लंघन करते हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि याचिका समाजवादी पार्टी द्वारा दायर की गई थी, जो एक पंजीकृत और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल है, जिसने उत्तर प्रदेश में कैराना विधानसभा से कथित गैंगस्टर नाहिद हसन को मैदान में उतारा, लेकिन न तो इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट या सोशल मीडिया में उसके आपराधिक रिकॉर्ड प्रकाशित किए और न ही उसका चयन कारण बताया। वकील अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने भारत के चुनाव आयोग को राजनीतिक दल का पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की भी मांग की है, जो सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन करता है।

साजिद खान को बिग बॉस का मंच मिलने से स्वाति मालीवाल काफी नाराज

फिल्म निमार्ता साजिद खान की बिग बॉस 16 में एंट्री को लेकर पहले दिन से ही विवाद छिड़ गया है। शो में साजिद को देखने के बाद आम जनता से लेकर बड़े-बड़े सेलिब्रिटी तक उनके साथ-साथ मेकर्स के खिलाफ भी जमकर आग बबूला हो गए हैं। अब इस लिस्ट में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का नाम भी जुड़ गया है। साजिद खान को बिग बॉस का मंच मिलने से स्वाति मालीवाल काफी नाराज हैं। इतना ही नहीं उन्होंने इसे लेकर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को पत्र भी लिखा है. उन्होंने अपने पत्र में फिल्म निमार्ता को बिग बॉस के घर से निकालने की मांग की है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने ट्विटर अकाउंट पर दी। दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन ने ट्वीट कर लिखा, '#टीळङ्घङ्घ मूवमेंट के दौरान साजिद खान पर 10 महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था.

ये सारी शिकायतें साजिद की घिनौनी मानसिकता को दशार्ती हैं। अब ऐसे शख्स को बिग बॉस में जगह दी गई है जो पूरी तरह गलत है. साजिद खान को इस शो से हटाने के लिए मैंने लेटर लिखा है। इससे पहले सिंगर सोना महापात्रा और जानी-मानी पत्रकार जेनिस सिकेरा ने भी कई ट्वीट कर साजिद को इतना बड़ा प्लेटफॉर्म देने पर नाराजगी जताई थी.

इसके अलावा और भी कई सेलेब्स ने साजिद के खिलाफ आवाज उठाई है. सोशल मीडिया पर लगातार साजिद को शो से बाहर करने की मांग की जा रही है. इन सबके बीच एक खबर ये भी आई कि फिल्म निमार्ता के खिलाफ लगातार हो रहे विरोध से बिग बॉस के निमार्ता काफी परेशान हैं. साथ ही उन्हें डर है कि कहीं एक कंटेस्टेंट की वजह से पूरे शो पर बुरा असर न हो जाए. यही वजह है कि अब निमार्ता सादिज खान को बिग बॉस से बाहर करने के फैसले पर विचार कर रहे हैं। हालांकि ऐसा होगा या नहीं ये तो आने वाले एपिसोड में ही पता चलेगा.

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री रेखा अपना 68वां जन्म दिन सेलिब्रेट कर रही हैं

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री रेखा आज अपना 68वां जन्म दिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इनकी खूबसूरती का हर कोई दीवाना है। रेखा का जन्म 10 अक्टूबर, 1954 को मद्रास में हुआ था। उनके पिता जेमिनी गणेशन तमिल फिल्मों के जाने-माने अभिनता और मां पुष्पावल्ली अभिनेत्री थीं। बॉलीवुड में अपनी खूबसूरती, दिलकश अदाओं और अभिनय के लिए मशहूर रेखा का पूरा नाम भानुरेखा गणेशन है। रेखा ने ऐसे की करियर की शुरूआत-साल 1970 में रेखा ने हिंदी फिल्म 'सावन भादो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद रेखा कई फिल्मों में अभिनय करती नजर आईं और उन्होंने अपने शानदार अभिनय से यह साबित किया कि वह फिल्म में हर तरह के किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने में सक्षम हैं।

समय के साथ रेखा अपनी खूबसूरती, अदाओं, मेहनत, संघर्ष, लगन और अभिनय से दर्शकों के दिलों पे इस कदर छाईं कि हर कोई उनका मुरीद हो गया। रेखा ने अपने पूरे करियर में 180 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया रेखा को साल 2010 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री से अलंकृत किया गया। इसके अलावा रेखा को एक राष्ट्रीय पुरस्कार और तीन फिल्म फेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। वो काफी समय तक राजनीति में भी सक्रिय रही हैं। रेखा के निजी जिंदगी की बात करें तो साल 1990 में उन्होंने उद्योगपति मुकेश अग्रवाल से शादी की, लेकिन अवसाद ग्रस्त मुकेश ने 6 महीने बाद ही सुसाइड कर लिया। इसके बाद रेखा अकेले ही जीवन का सफर तय कर रही हैं।

ठाणे मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (MACT) ने दो भाइयों द्वारा दायर 'झूठे और तुच्छ' दुर्घटना दावों को खारिज कर दिया

ठाणे मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने दो भाइयों द्वारा दायर ''झूठे और तुच्छ'' दुर्घटना दावों को खारिज कर दिया है और एक टेम्पो चालक और दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है जिन्होंने दावा दायर करने में याचिकाकताओं की सहायता की थी। एमएसीटी सदस्य एच एम भोसले ने शनिवार को उपलब्ध कराए गए 6 अक्टूबर के आदेश में दोनों भाइयों अविनाश अर्जुन चिखले और देवेश अर्जुन चिखले पर 3,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया।

भाइयों ने अपनी याचिका में ट्रिब्यूनल को सूचित किया कि 1 सितंबर, 2017 को वे महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार कस्बे में साखलेवाड़ी से मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे। निकटवर्ती रायगढ़ जिले के पनवेल कस्बे के आप्टागांव के पास एक मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहा एक टेंपो उनके वाहन से टकरा गया. नतीजतन, वे गिर गए और उन्हें चोटें आईं, जिनका इलाज किया गया। उन्होंने घायलों के इलाज और मुआवजे की मांग की। दोनों ने न्यायाधिकरण को बताया कि वे कार्यरत थे। अविनाश, उस समय 19 वर्ष के थे, प्रति माह 8,000 रुपये कमाते थे, जबकि 23 वर्ष के देवेश ने प्रति माह 12,000 रुपये कमाए। मामले में प्रतिवादी आपत्तिजनक टेम्पो के मालिक थे, जिसके बारे में याचिकाकताओं ने दावा किया था कि उन्होंने उन्हें मारा था, और वाहन के

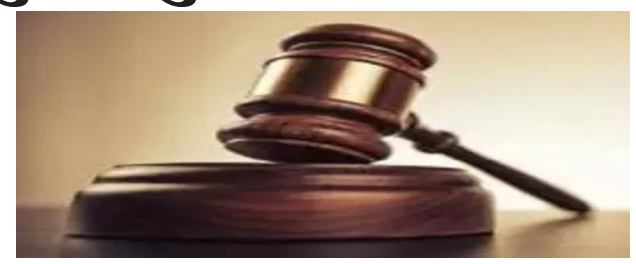

बीमाकर्ता थे।

टेंपो मालिक ट्रिब्यूनल के सामने पेश नहीं हुआ, इसलिए उसके खिलाफ मामला एकतरफा तय किया गया। बीमा कंपनी ने ट्रिब्यूनल को बताया कि लाभ पाने के दावे में टेंपो को 'लगाया' गया था। यह तर्क दिया जाता है कि पुलिस द्वारा दर्ज अविनाश के बयान के अनुसार, किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। यह 'हिट एंड रन' का स्पष्ट मामला है। बीमाकर्ता ने प्रस्तुत किया कि न्यायाधिकरण के समक्ष याचिका विचारणीय नहीं है। इसने यह भी तर्क दिया कि दुर्घटना के 112 दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों के बयान दर्ज नहीं किए हैं।

याचिकाकताओं द्वारा भरोसा किए गए मेडिकल सर्टिफिकेट कहीं भी यह नहीं दशार्ते हैं कि उन्हें सड़क यातायात दुर्घटना के इतिहास के साथ भर्ती कराया गया था। बीमा कंपनी ने दावा किया कि दुर्घटना और अस्पताल में भर्ती होने के समय में असमानता यह दशार्ती है कि आपत्तिजनक वाहन ''लगाया'' गया है। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा, ''उपरोक्त कारणों के संबंध में, यह बताने की जरूरत नहीं है कि याचिकाकताओं को आपत्तिजनक टेंपो द्वारा दिए गए डैश के परिणामस्वरूप चोट नहीं लगी है। देवेश के नियंत्रण खो देने के कारण वे मोटरसाइकिल से नीचे गिर गए। इसलिए याचिकाकर्ता मुआवजे के हकदार नहीं हैं और दावा याचिकाएं खारिज किए जाने के योग्य हैं।''

एमएसीटी ने याचिकाकताओं पर लागत लगाई ताकि ऐसा कोई झूठा दावा ट्रिब्यूनल के सामने पेश न किया जाए। आदेश में कहा गया है, ''यह एक सामाजिक कानून है। यह देखना सभी का कर्तव्य है कि न्यायाधिकरण के समक्ष केवल प्रामाणिक और वास्तविक दावे ही आने चाहिए।'' ट्रिब्यूनल ने कहा कि इस फैसले की एक प्रति पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ जिले को भेजी जाएगी, जिसमें टेंपो मालिक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और एक पुलिस उप-निरीक्षक और एक हवलदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया जाएगा।

गोरेगांव के पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में पीएमएलए विशेष अदालत ने शिवसेना नेता संजय राउत की हिरासत 17 अक्टूबर तक बढ़ा दी

मुंबई : गोरेगांव के पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत ने शिवसेना नेता की हिरासत 17 अक्टूबर तक बढ़ा दी। राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1 अगस्त को पात्रा चॉल के पुनर्विकास परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

शुरूआत में ईडी की हिरासत में रहने के बाद उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जिसे दो बार बढ़ाया गया.ईडी के अधिकारियों ने 31 जुलाई को राउत के मुंबई स्थित आवास पर छापा मारा और कई घंटों तक पूछताछ के बाद 1 अगस्त को उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

ईडी ने अनिल देशमुख को जमानत देने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय ने अब महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख को जमानत देने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार देशमुख को 5 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने जमानत दे दी थी। कोर्ट ने कहा था कि उनकी जमानत 13 अक्टूबर से प्रभावी होगी, इसलिए ईडी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है। ईडी ने 10 अक्टूबर को शीर्ष अदालत के खुलते ही उनकी जमानत का विरोध किया; यह दशहरा के लिए आज तक बंद था। ईडी ने देशमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच शुरू की थी, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 21 अप्रैल को राकांपा नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। उन्हें ईडी ने पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने उन्हें इसी साल अप्रैल में हिरासत में लिया था।

ईद मिलादुन्नबी जुलूस के दौरान मुंब्रा पुलिस के हर्षद काले का लोगो ने किया सत्कार

अफजल शैख

मुंब्रा : मुंब्रा कौसा में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हर जगह मुंब्रा पुलिस द्वारा बंदोबस्त किया गया था इस बंदोबस्त में एक खास बात हमें यह देखने को मिली कि मुंब्रा शहर में फैलता फूलता नशा और उस पर अंकुश लगाने में अपना बड़ा योगदान देने वालो एनडीपीएस इंचार्ज हर्षद बबन काले जो मुंब्रा शहर में वापस ड्यूटी पर तैनात किए गए है बहुत सारे लोगों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए अपने प्यार के साथ उनका सत्कार किया और बधाई दी.

नवंबर में महाराष्ट्र पहुंचेगी 'भारत जोड़ो यात्रा', एनसीपी प्रमुख शरद पवार कर सकते हैं स्वागत

नई दिल्ली: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के महाराष्ट्र में प्रवेश करने पर इसका स्वागत कर सकते हैं. कांग्रेस से जुड़े विश्वस्त सूत्रों ने यह जानकारी दी है. यह यात्रा 9 नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी. सूत्रों ने बताया, ''शरद पवार और उनकी सांसद पुत्री सुप्रिया सुले ने इच्छा जताई है कि वे इस यात्रा का महाराष्ट्र में स्वागत करना चाहते हैं. ऐसे में संभव है कि वे इस यात्रा का स्वागत करें. '' राहुल गांधी और पार्टी कार्यकताओं ने गत 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरूआत की थी. इन दिनों यात्रा कर्नाटक में है. यात्रा का समापन अगले साल की शुरूआत में कश्मीर में होगा. इस यात्रा में कुल 3570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी. पार्टी ने राहुल समेत उन 119 नेताओं को ''भारत यात्री'' नाम दिया है, जो पदयात्रा करते हुए कश्मीर तक जाएंगे. कांग्रेस का मानना है कि यह यात्रा उसके लिए संजीवनी का काम करेगी. यात्रा के आरंभ होने से पहले कांग्रेस ने सभी समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों और संगठनों का आह्वान किया था कि वे इस यात्रा का हिस्सा बनें.

मुंबई फायर ब्रिगेड रेल व्यू हाउसिंग सोसाइटी को नोटिस जारी करेगी, खराब डिफंक्ट फायर सिस्टम

मुंबई : मुंबई फायर ब्रिगेड लोकमान्य तिलक टर्मिनस के पास रेल व्यू हाउसिंग सोसाइटी को नोटिस जारी करेगी, जहां 8 अक्टूबर की दोपहर में आग लगने की सूचना मिली थी, रिपोर्ट में कहा गया है। चेंबूर इलाके में अपार्टमेंट की इमारत में आग लग गई थी, जिसमें छह लोग घायल हो गए थे, जो शहर के एक अस्पताल में भर्ती हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में शहर के फायर ब्रिगेड के मुख्य अग्निशमन अधिकारी हेमंत परब के हवाले से कहा गया है कि घटना के समय इमारत की अग्निशमन प्रणाली चालू नहीं थी और अधिकारियों ने वहां पहुंचने पर इस पर ध्यान दिया। परब ने आगे बताया कि भवन को महाराष्ट्र अग्नि निवारण और जीवन सुरक्षा उपाय अधिनियम, 2006 की धारा 6 के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। चेंबूर पूर्व में ग्राउंड प्लस 12 मंजिला आवासीय इमारत में दोपहर करीब 2.45 बजे आग लग गई। एमएफबी के अधिकारियों ने 15 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया था। आग लगने का कारण सिगरेट की कली को फेंके गए सामान में फेंकना बताया जा रहा है। इमारत में धुआं फैल गया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 11 अक्टूबर 2022

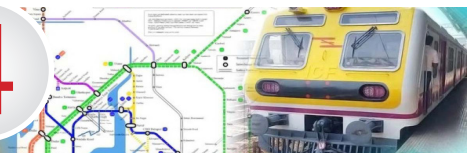

उद्धव और शिंदे गुट ने चुनाव आयोग को सौंपे पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह

अंधेरी सीट पर होने जा रहे उपचुनाव

महाराष्ट्र के अंधेरी सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए आज एकनाथ शिंदे गुट ने भी चुनाव आयोग को पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह सौंप दिए हैं। उद्धव ठाकरे गुट पहले ही अपनी पसंद बता चुका था। अब चुनाव आयोग को इसपर आखिरी फैसला लेना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच शिवसेना का चुनाव चिन्ह धनुष और तीर फ्रीज होने के बाद अब नए नाम और चुनाव चिन्ह पर भी खींचतान देखने को मिल रही है। जानकारी के अनुसार एकनाथ शिंदे गुट ने भी आज चुनाव आयोग को पार्टी सिंबल और पार्टी के नाम सौंप दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक शिंदे गुट ने जो 3 पसंद के चुनाव चिन्ह सौंपे हैं, उनमें से कुछ नाम उद्धव ठाकरे गुट से मिलते जुलते हैं। इसके पहले उद्धव ठाकरे गुट त्रिशूल, उगता सूर्य और मशाल जैसे नाम आयोग को अपनी पसंद के तौर पर बता चुका है। वहीं एकनाथ शिन्दे गुट भी अपनी पार्टी के नाम के साथ बालासाहेब का नाम जोड़ना चाहता है।

सूत्रों के मुताबिक पार्टी के नाम जो शिंदे गुट की तरफ से दिए गए हैं, उन सभी में बालासाहेब का नाम लगा हुआ है। उद्धव गुट पहले ही शिवसेना बात्तसाहेब ठाकरे, शिवसेना बालासाहेब प्रबोधनकार ठाकरे और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे जैसे 3 नाम आयोग को अपनी पसंद के तौर पर बता चुका है।

अब चुनाव आयोग सारी जांच पड़ताल कर इसपर अंतिम फैसला लेगा की किसे कौनसा चुनाव चिन्ह और पार्टी का नाम देना है।गौरतलब है कि हाल ही में चुनाव आयोग ने आगामी अंधेरी उपचुनाव में शिवेसना के नाम और चुनाव चिन्ह धनुष और तीर के इस्तेमाल पर अंतरिम रोक लगा दी थी। चुनाव आयोग ने इसके बाद नए चुनाव चिन्ह और नाम के आवंटन के लिए दोनों गुटों को आज तक का समय दिया था।

शिवसेना के ठाकरे गुट के समर्थन में तैयार शपथ पत्रों को लेकर मुंबई पुलिस ने धोखाधड़ी तथा जालसाजी के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की

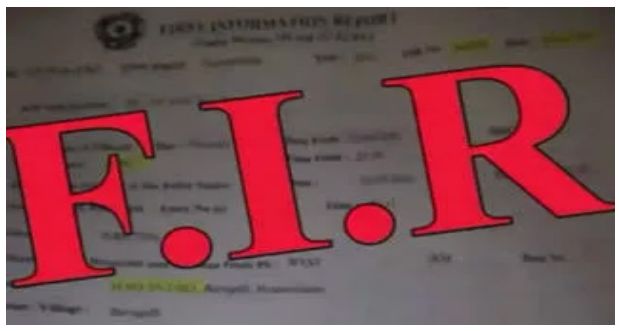

मुंबई : मुंबई पुलिस ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत गुट के समर्थन में तैयार किए गए 4,500 से अधिक शपथ पत्र बरामद करने के बाद धोखाधड़ी तथा जालसाजी के आरोपों में अज्ञात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। शिवसेना के एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने एक वीडियो संदेश में दावा किया कि मुंबई पुलिस को 4,682 ''फर्जी''शपथ पत्र मिले हैं और उसने एक शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। ठाणे के पूर्व महापौर म्हस्के ने पुलिस का आभार व्यक्त किया और शिवसेना के चुनाव चिह्न को लेकर शिंदे गुट के साथ विवाद के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के समक्ष शपथ पत्र देने में कथित कदाचार को लेकर ठाकरे गुट की आलोचना की।

उन्होंने कहा, ''मेरा आरोप है कि शिवसैनिकों के ये फर्जी और झूठे शपथ पत्र निर्वाचन आयोग के समक्ष जमा कराने के लिए तैयार किए गए।''म्हस्के ने दावा किया कि यह सब कुछ ''मातोश्री''के मार्गदर्शन में हो रहा है।'मातोश्री' उपनगर बांद्रा में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का निजी आवास है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें एक नोटरी से शपथ पत्र मिले, जिसमें शिवसेना समर्थकों के आधार कार्ड जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां संलग्न थीं। इसके बाद शनिवार को यहां निर्मल नगर पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 465 (जालसाजी) के तहत मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में कहा गया है कि शिकायतकर्ता बांद्रा की एक अदालत में गया था और उसने दो लोगों को शपथ पत्रों के ढेर के साथ देखा, जिस पर नोटरी की मुहर लगी थी। इसमें कहा गया है कि पुलिस ने सभी शपथ पत्र जब्त कर लिए और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

निर्मल नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, शपथ पत्र बनवाने वाले व्यक्ति को नोटरी के समक्ष पेश होना पड़ता है। इस मामले में जिन लोगों के नाम शपथ पत्र में थे, वे वहां मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि पुलिस उन लोगों को बुलाएगी और यह पुष्टि करेगी कि क्या उन्होंने ठाकरे गुट के समर्थन में शपथ पत्र बनवाए हैं और क्या उन्हें अपने नाम पर शपथ पत्र तैयार किए जाने के बारे में पता है। उन्होंने कहा कि पुलिस यह भी पता लगाएगी कि क्या इन समर्थकों ने अपनी ओर से शपथ पत्र बनाने का जिम्मा किसी और को दिया है। इस बीच, म्हस्के ने ठाकरे नीत गुट द्वारा निर्वाचन आयोग को अभी तक सौंपे गए शपथ पत्रों की जांच कराने की मांग की है।

जेजे अस्पताल ने दैनिक आवश्यक दवाओं से अभी भी भारी कमी से जूझ रहा

मुंबई : राज्य द्वारा संचालित जमशेदजी जीजीभॉय (जेजे) अस्पताल ने दैनिक आवश्यक दवाओं के स्टॉक पर नजर रखने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन करने के बावजूद, पिछले कुछ महीनों में अस्पताल अभी भी भारी कमी से जूझ रहा है। अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि देरी हाफकाइन बायोफार्मा की ओर से है क्योंकि वे अपनी आवश्यकताओं को उन्हें भेजते हैं। हालांकि वे स्थानीय विक्रेताओं से दवा खरीदते हैं, फिर भी वे कम पड़ जाते हैं। मरीजों को पेरासिटामोल, एज़िथ्रोमाइसिन, डॉक्सीसाइक्लिन, डाइक्लोफेनाक सोडियम, और सिरप

जैसे एस्थलिन, सेटीरिज़िन, एजी जैसी दवाएं नहीं मिल रही थीं। लगभग 40 दवाओं की सूची है जिन्हें अस्पताल के मरीजों को मुफ्त में देने की आवश्यकता है, लेकिन अभी हमारे पास स्टॉक में उनमें से केवल 15 से 20 दवाएं हैं, ''अस्पताल के एक सूत्र ने कहा। अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए हमारे पास बहुत सारी नर्सों में दवा भी नहीं है। उदाहरण के लिए, ऑक्सीटोसिन एक इंजेक्शन है जिसका उपयोग डिलीवरी के दौरान ऑपरेशन थिएटर में किया जाता है। एक सप्ताह में लगभग एक हजार शीशियों की आवश्यकता होती है लेकिन हमारे पास बहुत सीमित स्टॉक है। अस्पताल अपने स्तर पर खरीदारी कर रहा है और हम दानदाताओं से सीएसआर के जरिए दान करने को कह रहे हैं। हमने वरिष्ठ अधिकारियों को दवाओं की कमी के बारे में सूचित किया, ''उन्होंने कहा।

मुंबई निगम चुनाव से पहले अंधेरी उपचुनाव उद्धव ठाकरे के लिया बना चुनौती !

मुंबई में आगामी 3 नवंबर को अंधेरी (पूर्व) विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक बड़ी चुनौती है जिसमें वह अपना शक्ति प्रदर्शन करेगी। इस महासंग्राम में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और प्रतिद्वंद्वी एकनाथ शिंदे खेमे-भाजपा गठबंधन दोनों एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होंगे। विशेषज्ञ का कहना हे कि इस चुनाव का सीधा मुंबई के नगर निगम चुनाव (बीएमसी) में देखने को मिलेगा। ठाकरे खेमे से शिवसेना विधायक दिवंगत रमेश लटके की पत्नी रुतुजा को मैदान में उतारने की उम्मीद है क्योंकि यह काफी हद तक सहानुभूति कारक पर निर्भर करता है। मई में दुबई की यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से लटके की मृत्यु हो गई थी। जानकारों का कहना हे कि शिंदे खेमे के लिए जो शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की

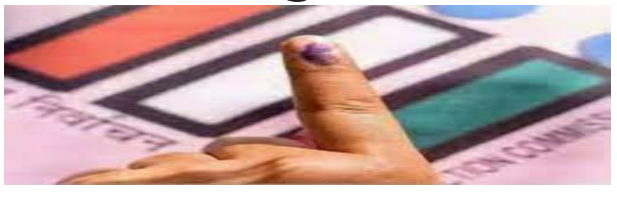

विरासत को आगे बढ़ाने के लिए वैधता का दावा करने के लिए तेजी से कदम उठा रहा है, अंधेरी (पूर्व) में बढ़त की संभावनाएं कम हैं। उद्धव ठाकरे के लिए बीएमसी चुनावों से पहले अपनी ताकत साबित करने के लिए उपचुनाव पहला बड़ा परीक्षण होगा। एकनाथ शिंदे गुट और भाजपा द्वारा ठाकरे की कांग्रेस पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ हाथ मिलाने के लिए अक्सर बाल ठाकरे के हिंदुत्व सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की जाती है। आगामी बीएमसी चुनावों पर नजर रखते हुए, भाजपा नगर निकाय का नियंत्रण छीनने के लिए एक मजबूत योजना पर काम कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषक हेमंत देसाई ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा हे कि विभाजन के बाद यह उपचुनाव पहली लड़ाई है और दोनों गुट अपनी ताकत साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे। हालांकि चूंकि मुख्यमंत्री शिंदे की मुंबई पर पकड़ नहीं है, इसलिए वह अपने गुट से उम्मीदवार नहीं उतारेंगे और स्वाभाविक रूप से भाजपा का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि अंधेरी में भाजपा का एक मजबूत वोट बैंक है,लेकिन ठाकरे के उम्मीदवार पर सहानुभूति कारक है जो शिवसेना की मदद कर सकता है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com